श्रीहरिः

कला ।

श्रीहरिश्चन्द्रकला

अथवा ।

गोलोकवासी भारतभूषण भारतेन्दु श्रीहरिश्चन्द्र का जीवनसर्वस्व ।

प्रथम भाग नाटकावली ।

जिसमें उक्त कविशिरोमणि के रचित तथा अनुवादित नाटक,
नाटिका इत्यादिक का संग्रह है ।

क्षत्रिय पत्रिका सम्पादक, आ० म० कु० बा० रामदीन सिंह संकलित
बाबू रामरणविजय सिंह द्वारा प्रकाशित ।



पटना—"खड्गविलास" प्रेस—बांकीपुर ।
बाबू रामप्रसाद सिंह द्वारा मुद्रित

ह० सं० ४२ । } १९८३ । { १९२६ ईस्वी ।

नूतन संस्करण ।] [मूल्य तीन रुपये ।